

उत्तरांचल शासन

कार्मिक विभाग

अधिसूचना

07 नवम्बर, 2002 ई०

सं० 1472/कार्मिक-2/2002—चूंकि उत्तर प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम, 2000 की धारा 87 के अधीन उत्तरांचल शासन, उत्तरांचल राज्य के सम्बन्ध में लागू विधि को, आदेश द्वारा निरसन के रूप में या संशोधन के रूप में, ऐसे अनुकूलन तथा उपान्तरण कर सकता है, जो आवश्यक व समीचीन हों;

तथा चूंकि, उत्तर प्रदेश लोक सेवा (शारीरिक रूप से विकलांग, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के आश्रित और भूतपूर्व सैनिकों के लिए आरक्षण) अधिनियम 1993, उत्तर प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम, 2000 की धारा 86 के अधीन उत्तरांचल राज्य में यथावत लागू है;

अतः अब, उत्तर प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम, 2000 (अधिनियम संख्या 29, सन् 2000) की धारा 87 के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए महामहिम श्री राज्यपाल सहर्ष निर्देश देते हैं कि उत्तर प्रदेश लोक सेवा (शारीरिक रूप से विकलांग, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के आश्रित और भूतपूर्व सैनिकों के लिए आरक्षण) अधिनियम 1993, उत्तरांचल राज्य में निम्नलिखित प्राविधानों के अध्याधीन लागू रहेगा :—

उत्तरांचल [उत्तर प्रदेश लोक सेवा (शारीरिक रूप से विकलांग, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के आश्रित और भूतपूर्व सैनिकों के लिए आरक्षण) अधिनियम, 1993] अनुकूलन एवं उपान्तरण आदेश, 2002

1—संक्षिप्त शीर्षक एवं प्रारम्भ—

(1) यह आदेश उत्तरांचल [उत्तर प्रदेश लोक सेवा (शारीरिक रूप से विकलांग स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के आश्रित और भूतपूर्व सैनिकों के लिए आरक्षण) अधिनियम, 1993] अनुकूलन एवं उपान्तरण आदेश 2002 कहलायेगा।

(2) यह तत्काल प्रभाव से लागू होगा।

2—“उत्तर प्रदेश” के स्थान पर “उत्तरांचल” पढ़ा जाना—

उत्तर प्रदेश लोक सेवा (शारीरिक रूप से विकलांग, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के आश्रित और भूतपूर्व सैनिकों के लिए आरक्षण) अधिनियम 1993 में जहां—जहां शब्द पद “उत्तर प्रदेश” आया है, वहां—वहां वह शब्द “उत्तरांचल” के रूप में पढ़ा जायेगा।

आज्ञा से,
आलोक कुमार जैन,
सचिव।

In pursuance of the provisions of clause (3) of Article 348 of the Constitution of India, The Governor is pleased to order the publication of the following English translation of notification no. 1472/Ka-2/2002, dated November 07, 2002 for general information :

NOTIFICATION

November 11, 2002

No. 1472/Ka-2/2002—WHEREAS, under section 87 of the Uttar Pradesh Reorganisation Act, 2000, the Government of Uttaranchal may by order, make such adaptation and modification of the law by way of repeal or amendment as may be necessary or impediment;

AND WHEREAS, Uttar Pradesh Lok Seva (Reservation for Physically Handicapped, Dependents of Freedom Fighters and ex-Servicemen) Act, 1993 is in force in the State of Uttaranchal under section 86 of the Uttar Pradesh Reorganisation Act, 2000;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred under section 87 of the Uttar Pradesh Reorganisation Act, 2000 (Act no. 29 of 2000) the Governor is pleased to direct the Uttar Pradesh Public Service (reservation for Physically Handicapped, Dependents of Freedom Fighters and ex-Servicemen) Act 1993, shall have applicability to the State of Uttaranchal subject to the provisions of the following order;

UTTARANCHAL [THE UTTAR PRADESH PUBLIC SERVICE, (RESERVATION FOR PHYSICALLY HANDICAPPED, DEPENDENTS OF FREEDOM FIGHTERS AND EX-SERVICEMEN) ACT 1993] ADAPTATION & MODIFICATION ORDER, 2002

1-Short title and Commencement-

(1) This order may be called Uttaranchal [The Uttar Pradesh Public Service (Reservation for Physically Handicapped, Dependents of Freedom Fighters and ex-servicemen) Act 1993], Adaptation & Modification Order 2002.

(2) It shall come in to force at once.

2-The word "Uttar Pradesh" to be read "Uttaranchal"--

In the Uttar Pradesh Public Service (Reservation for Physically Handicapped, Dependents of Freedom Fighters and ex-Servicemen) Act, 1993 wherever the expression "Uttar Pradesh" occurs it shall be read as "Uttaranchal".

By Order,
ALOK KUMAR JAIN,
Secretary.

टिप्पणी-राजपत्र, दिनांक 07-12-2002, भाग-1 में प्रकाशित।

[प्रतिलिपि सूचनार्थ प्रेषित-]

पी0एस0यू0 (आर0ई0) 15 कार्मिक/756-17-01-2003-1,000 (कम्प्यूटर/रीजियो)।